M.A. Hindi - I Year

Hindi Gadhya Viveachana (Natak Aur Anya Gadhya Vidhayean) - 2010305

हिन्दी गद्य विवेचना (नाटक और अन्य गद्य विधाएँ)

Unit - 01

भुवनेश्वर और तांबे के कीडे, नुक्कड़ नाटक, 'औरत', प्रतापनारायण मिश्र और धोखा, रामचन्द्र शुक्ल और 'लोभ और प्रति', हजारी प्रसाद द्विववेदी और कुटज, रामविलास शर्मा और 'संस्कृति और जातीयता, हरिशंकर परसाई और 'तीसरे दर्जे के श्रद्धेय, महादेवीवर्मा और ठाकुसे बाबा, आज्ञेय और 'वसंत के अग्रदूत', अमृत राय और कमल का सिपाही ।

Unit - 02

बच्चन और क्या भूलूँ और क्या याद करूँ, राहुल साकृत्यायन और 'किन्नर देश की ओर, रंगेय राघव और ''अदम्य जीवन'', श्रीकान्त वर्मा और ऑक्टेवियो पाँज, हजारी प्रसाद द्विवेदी और उनके नाटक, अंधेर नगरी चौपट राजा, प्रसाद के नाटक, भषा, भावबोध और मंचन, निर्देशक की पहल, अधूरेपन की बासदी, राकेश के नाटक; कुछ अंतस्सूत्र ।

Unit - 03

अंधा युग; एक समीक्षा, दायित्व गहन भाषा अपूर्ण श्रोधा अंधे की सर्जनात्मक पीड़ी की परिणति, भूवनेश्वर : एक दृष्टि, नये नाटक के जन्मदाता, पारंपरिक रूपों और डिवाइसिज़ का सवाल, निबन्ध रचना, शैली और व्यक्तित्व, अशोक के फूल से देवदारू बन तक, निबन्धों में द्विववेदी जी का व्यक्तित्व, व्यगकार के रूप में हरिशंकर परसाई, गद्यकार के रूप में महादेवी वर्मा ।

Unit - 04

बहुमुखी रचना–कर्म की परंपरा और आज्ञेय, एक व्यक्ति, एक युग, शहुल का हिमालय प्रेम, रंयेग राघव के रिपोर्ताज, श्रीकांत वर्मा की जिरह, भारतेंदु की नाट्य दृष्टि और 'अंधेर नगसे', सामाजिक यथार्थ के परिप्रेक्ष्य, अंधेर नगरी का नाट्यशिल्प जयशंकर प्रसाद की नाट्य शिल्प : स्कंदगुप्त, स्कंदगुप्त की भावनायें ।

Unit - 05

मोहन राकेश की नाट्य सृष्टि, आधे–अधूरे, अंधायुग : चरित्र सृष्टि और नाट्य शिल्प, एकांकी नाटक ताँबे के कीड़े, नुक्कड़ नाटक : औरत, लोभ और प्रति, धोखा, कुटज, संस्कृति और जातीयता, तीसरे दर्जे का श्रद्धेय ।

Unit - 06

रेखा चित्र : ठाकुरी बाबा, वसंत का अग्रदूत, जीवनी कमल का सिपाही, आत्मकथा : क्या भूलूँ क्या याद करूँ, यात्रा वृतांत : किन्नर देश की ओर, रिपोर्ताज अदम्य जीवन, साक्षात्कार : ओक्टेवियो पाँज़ ।